ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय कामेश्वरनगर, दरभंगा

पी-एच.डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत

शोध-प्रारूप

विषय : जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासक विश्लेषणात्मक अध्ययन

गवेषक : मनीष कुमार

विषय : मैथिली

संकाय : मानविकी

भाषा : मैथिली

विश्वविद्यालय : ल. ना. मिथिला विश्वविद्यालय कामेश्वरनगर, दरभंगा ।

शोध-निर्देशक : डॉ. सुरेश पासवान

शोध-निर्देशक

Paswan 03.04.24

(डॉ. सुरेश पासवान)

सहायक प्राचार्य

मैथिली विभाग,

चन्द्रधारी मिथिला महाविद्यालय,

दरभंगा ।

सम्प्रति -

विश्वविद्यालय मैथिली विभाग,

ल. ना. मिथिला विश्वविद्यालय

कामेश्वरनगर, दरभंगा ।

गवेषक

Manish Kumar 03.04.24

(मनीष कुमार)

यू.जी.सी.नेट-जे.आर.एफ.

BR04000016

पैट क्रमांक- **E2211004**

ग्राम - शुभेपट्टी

पोस्ट - आनन्दपुर

थाना - अशोक पेपर मील

जिला - दरभंगा

पिन कोड - 847101

शोध-प्रारूप

जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासक विश्लेषणात्मक अध्ययन

प्रस्तावना -

आधुनिक युगकें गद्यक युग कहल जाइत अछि । एहि गद्यमे उपन्यास सर्वाधिक लोकप्रिय साहित्यिक विधा सिध्द भेल अछि । तकर कारण ई अछि जे एहिमे सामाजिक जीवनक अंकन अन्य सभ विधासँ बेसी आ उत्तम रीतिएँ होयब सम्भव भेल अछि । मानवीय भावना एवं कार्य व्यापार सम्यक एवं विस्तृत अथवा सम्पूर्ण अभिव्यक्ति उपन्यासक माध्यमसँ कयल जाइत अछि ।

मैथिली साहित्यमे उपन्यास विधाक आगमन अंग्रेजी, बंगला, मराठी एवं हिन्दीक प्रभाव ग्रहण करैत भेल अछि । फलतः ऐहिमे नव-युगक सामाजिक समस्याकें अंकित करबाक प्रयास भऽ रहल अछि ।

मैथिली साहित्यमे बहुत एहन साहित्यकार भेलाह जे मैथिली साहित्यक विविध विधाक विकास आ ओकरा समृद्ध करबामे अपन महत्वपूर्ण योगदान देलनि । एहने साहित्यकारमे सँ एक छथि - श्री जगदीश प्रसाद मण्डल ।

श्री जगदीश प्रसाद मण्डल बहुमुखी प्रतिभाक धनी व्यक्ति छथि । मैथिली साहित्यक सभ विधाकें ई अपन लेखनसँ परिपूर्ण कयलनि । मुदा सबसँ बेसी ख्याति हिनका उपन्यासकारक रुपमे भेटलनि ।

विवेच्य शोध शीर्षकक माध्यमसँ हम श्री जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासक विस्तारसँ चर्चा करब । एहि लेल हुनक सभ उपन्यासक हम समग्र रुपसँ अध्ययन, अवलोकन ओ तथ्यगत चर्चा अपन शोध-कार्यमे करब यैह हमर उद्देश्य अछि ।

Self Attested
Manish Kumar
03.04.24

शोध विषयक महत्व -

एहि विषयक शोधक महत्त्व एहु ल' क' बढ़ि जाइत अछि जे अद्‌यपर्यंत समग्र रूपसँ श्री जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासक प्रसंग व्यापक विवेचन, मूल्यांकन नहि भ' सकल अछि । साहित्यक महत्वपूर्ण विधा उपन्यास आइ जँ विभिन्न परिवेशमे लिखलो जा रहल अछि तँ ई विषय सर्वथा नवीन थिक ।

शोधक स्रोत -

श्री जगदीश प्रसाद मण्डलक विविध विधामे लिखल गेल पोथी, हिनकासँ संबंधित रचना, पत्र-पत्रिकामे छपल आलेख, हिनक समस्त उपन्यास आदि हमर शोधक स्रोत रहत । संगहिँ हिनका अतिरिक्त शोथार्थी मित्र, पुस्तकालय आदिक सहयोगसँ विस्तृत जानकारी प्राप्त कए शोध-कार्य पूर्ण करब ।

शोधक उद्‌देश्य -

साहित्यकेँ समाजक दर्पण कहल जाइत अछि । साहित्यकार जाहि समाज लेल लिखैत छथि एक तरहेँ ओहि समाजमे घटल घटना जकर आकलन साहित्यकार अन्तर्मनक अभिव्यक्तिक संग भविष्यक रेखांकन करैत छथि । प्रत्येक रचनाक पाछाँ साहित्यकारक कोनो ने कोनो उद्‌देश्य रहैत छनि । एहि शोध-प्रबंधमे श्री जगदीश प्रसाद मण्डल ओहि समस्त औपन्यासिक रचनाक भाव वा विषय वस्तुकेँ प्रकाशमे आनब यैह हमर उद्‌देश्य अछि ।

कार्य प्रणाली -

बहुमुखी प्रतिभाक धनी व्यक्ति श्री जगदीश प्रसाद मण्डलक मैथिली साहित्यमे अवदान संगहिँ हिनक समस्त उपन्यासक अध्ययन, उपलब्ध पोथी, पत्र-पत्रिका, मिलैत-जुलैत रचनाक अध्ययन करब यैह शोध-प्रबंधक कार्य प्रणाली रहत ।

Self Attested
Manish Kumar
03.04.24

क्षेत्र विस्तार -

एहि शोध प्रबंधमे हम श्री जगदीश प्रसाद मण्डलक सभ उपन्यासक प्रसंग ओहि बिन्दुपर चर्चा करब जे आइयो पाठकक समक्ष दृष्टिगत नहि भ' सकल । संगहिँ श्री जगदीश प्रसाद मण्डलसँ जुड़ल विविध पक्ष जकर सरोकार साहित्यक संग समाजसँ छैक ताहि प्रसंग व्यापक विमर्श करब ।

प्रस्तावित शोध प्रबंधक रूपरेखा -

प्रथम अध्याय -

(1) जगदीश प्रसाद मण्डलक जीवन ओ साहित्य

द्वितीय अध्याय -

(2) जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासमे सामाजिक चेतना

तृतीय अध्याय -

(3) जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासमे राजनीतिक चेतना

चतुर्थ अध्याय -

(4) जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासमे आर्थिक स्वर

पंचम अध्याय -

(5) जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासमे स्त्री-चेतना

परिशिष्ट -

(क) उपसंहार

Self Attested
Manish Kumar
03.04.24

(ख) अधीत ग्रंथक सूची

शोध प्रबंधक अध्यायक संक्षिप्त वर्गीकरण -

एहि शोध-प्रबंधमे श्री जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासक जाहि विविध पक्षक प्रसंग व्यापक विचार-विमर्श करब से निम्नवत अछि -

प्रथम अध्याय -

शोध-प्रबंधक प्रथम अध्यायक अन्तर्गत हम श्री जगदीश प्रसाद मण्डलक परिचय, शिक्षा-दीक्षा, जीवनवृत्त एवं अन्यान्य पक्षपर विस्तारपूर्वक चर्चा करब ।

द्वितीय अध्याय -

हिनक उपन्यासमे सामाजिक मुद्दाक चर्चा खुब भेल अछि । एहि मुद्दा सभक विस्तारपूर्वक चर्चा एहि अध्यायक अन्तर्गत करब ।

तृतीय अध्याय -

हिनक समस्त उपन्यासमे किछु न किछु राजनीतिक चर्चा अवश्य भेल अछि । हम अपन शोध-प्रबंधमे ओहि सभ मूल पक्षपर विस्तारपूर्वक चर्चा एहि अध्यायक अन्तर्गत करब ।

चतुर्थ अध्याय -

श्री जगदीश प्रसाद मण्डलक उपन्यासमे सामाजिक संघर्ष मध्य आर्थिक स्वरक चर्चा जतय-जतय भेल अछि हम ओहि सभ पक्षक चर्चा विस्तारपूर्वक अपन शोध-प्रबंधक एहि अध्यायक अन्तर्गत करब ।

पंचम अध्याय -

Self Attested
Manish Kumar
03.04.24

श्री जगदीश प्रसाद मण्डल अपन उपन्यासमे स्त्री-पात्रकें वर्तमान परिवेशक अनुरूप हुनक दशामे भेल परिवर्तन यथा - शिक्षा, मर्यादा, संस्कार आदि जाहि पक्षपर पाठकक ध्यान आकर्षित करबाक चेष्टा कयलनि अछि ओहि विविध पक्षक संग्रहक विस्तारपूर्वक चर्चा अपन शोध-प्रबंधक एहि अध्यायमे करब ।

उपसंहार -

एहिमे पाँचो अध्यायक कयल गेल विवेचन, विश्लेषणक समाहार उपसंहारक अंतर्गत प्रस्तुत कयल जायत । एहिसँ 'शोध-प्रबंध'क महत्व, वैशिष्ट्य, प्रयोजन एवं उपादेयता सिद्ध होयत ।

अधीत ग्रंथक सूची -

(1) झा, 'श्रीश', डॉ. दुर्गानाथ, मैथिली साहित्यक इतिहास, जेनरल बुक एजेन्सी, पटना, पाँचम संस्करण : 2023-24.

(2) मिश्र, डॉ. जयकान्त, मैथिली साहित्यक इतिहास, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, पुनर्मुद्रण : 2015.

(3) झा, डॉ. दिनेश कुमार, मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास, मैथिली अकादमी, पटना, चतुर्थ संस्करण : 2012.

(4) मिश्र, मायानंद, मैथिली साहित्यक इतिहास, किसुन संकल्प लोक, सुपौल : 2014.

(5) ठाकुर, डॉ. वीणा, इतिहास दर्पण, प्रकाशक- श्री राम रतन झा, दरभंगा : 2008.

(6) ठाकुर, डॉ. उपेन्द्र, मिथिलाक इतिहास, मैथिली अकादमी, पटना, तृतीय संस्करण : 2011.

Self Attested
Manish Kumar
03.04.24

(7) झा, डॉ. भीमनाथ, परिचायिका, भवानी प्रकाशन, पटना, द्वितीय संस्करण : 1985.

(8) पाठक, डॉ. अमरेश, मैथिली उपन्यासक आलोचनात्मक अध्ययन, आलोक प्रकाशन, पटना, द्वितीय संस्करण : 2007.

(9) मण्डल, जगदीश प्रसाद, मौलाइल गाछक फूल, श्रुति प्रकाशन, दिल्ली : 2009.

(10) मण्डल, जगदीश प्रसाद, उत्थान-पतन, श्रुति प्रकाशन, दिल्ली : 2009.

(11) मण्डल, जगदीश प्रसाद, जिनगीक जीत, श्रुति प्रकाशन, दिल्ली : 2009.

(12) मण्डल, जगदीश प्रसाद, जीवन-मरण, श्रुति प्रकाशन, दिल्ली : 2010.

(13) मण्डल, जगदीश प्रसाद, जीवन-संघर्ष, श्रुति प्रकाशन, दिल्ली : 2010.

(14) मण्डल, जगदीश प्रसाद, नै धाड़ैए, श्रुति प्रकाशन, दिल्ली : 2013.

(15) मण्डल, जगदीश प्रसाद, बड़की बहिन, श्रुति प्रकाशन, दिल्ली : 2013.

(16) मण्डल, जगदीश प्रसाद, ठूठ गाछ, पल्लवी प्रकाशन, निर्मली, सुपौल : 2015.

(17) मण्डल, जगदीश प्रसाद, इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं, पल्लवी प्रकाशन, निर्मली, सुपौल : 2017.

(18) मण्डल, जगदीश प्रसाद, लहसन, पल्लवी प्रकाशन, निर्मली, सुपौल : 2018.

(19) मण्डल, जगदीश प्रसाद, पंगु, पल्लवी प्रकाशन, निर्मली, सुपौल : 2018.

(20) मण्डल, जगदीश प्रसाद, आमक गाछी, पल्लवी प्रकाशन, निर्मली, सुपौल : 2018.

(21) मण्डल, जगदीश प्रसाद, सुचिता, पल्लवी प्रकाशन, निर्मली, सुपौल : 2019.

(22) मण्डल, जगदीश प्रसाद, मोड़ पर, पल्लवी प्रकाशन, निर्मली, सुपौल : 2021.

(23) मण्डल, जगदीश प्रसाद, संकल्प, पल्लवी प्रकाशन, निर्मली, सुपौल : 2021.

Self Attested
Manish Kumar
03.04.24

(24) मण्डल, जगदीश प्रसाद, अंतिम क्षण, पल्लवी प्रकाशन, निर्मली, सुपौल : 2021.

(25) मण्डल, जगदीश प्रसाद, कुण्ठा, पल्लवी प्रकाशन, निर्मली, सुपौल : 2021.

(26) मण्डल, जगदीश प्रसाद, सुनयना बेटी, पल्लवी प्रकाशन, निर्मली, सुपौल : 2023.

शोध-निर्देशक

Paswan 03.04.24

(डॉ. सुरेश पासवान)

सहायक प्राचार्य

मैथिली विभाग,

चन्द्रधारी मिथिला महाविद्यालय,

दरभंगा ।

सम्प्रति -

विश्वविद्यालय मैथिली विभाग,

ल. ना. मिथिला विश्वविद्यालय

कामेश्वरनगर, दरभंगा ।

गवेषक

Manish Kumar 03.04.24

(मनीष कुमार)

यू.जी.सी.नेट-जे.आर.एफ.

BR04000016

पैट क्रमांक- **E2211004**

ग्राम - शुभेपट्टी

पोस्ट - आनन्दपुर

थाना - अशोक पेपर मील

जिला - दरभंगा

पिन कोड - **847101**